पूर्वोत्तर रेलवे केन्द्रीय ग्रंथालय

Purvottar Railway Kendreeya Granthalaya

परिचय

यह कौन जानता था कि वर्ष 1960 में तत्कालीन महाप्रबंधक श्री एस. एस. रामासुब्बन द्वारा पूर्वोत्तर रेलवे पर ग्रंथालयों की स्थापना के लिए, लिए गये निर्णय के परिणामस्वरूप भारतीय रेल के एक अद्भूत विशाल ग्रंथालय का विकास हो जायेगा। महाप्रबंधक महोदय के उक्त निर्णयानुसार मुख्यालय में एक केन्द्रीय ग्रंथालय, प्रत्येक जिला मुख्यालयों, शैक्षणिक एवं प्रशिक्षण संस्थानों, वर्कशाप तथा चिकित्सालयों में ग्रंथालय एवं सचल ग्रंथालय की स्थापना की जानी थी। इसी कड़ी में इस रेल के गोरखपुर मुख्यालय स्थित केन्द्रीय ग्रंथालय की शुरुआत 1960 में महाप्रबंधक द्वारा गठित समिति की देख-रेख में की गयी। परन्तु स्थान एवम् कर्मचारियों आदि की समुचित व्यवस्था न होने के कारण केन्द्रीय ग्रंथालय का उचित विकास नहीं हो सका।

वर्ष 1966-67 में महाप्रबंधक द्वारा नामित ग्रंथालय समिति की देख-रेख में केन्द्रीय ग्रंथालय की पुनः शुरुआत हुई। विभिन्न विभागों के ग्रंथालयों में उपलब्ध पुस्तकों को मुख्य अभियंता के ग्रंथालय, जहाँ स्थान व कर्मचारी उपलब्ध थे, मिलाकर इस ग्रंथालय का वास्तविक गठन किया गया। तब से यह ग्रंथालय प्रशिक्षित ग्रंथालयी की देख-रेख में निरन्तर विकास करता रहा है। इस ग्रंथालय में विभिन्न विधाओं की स्तरीय पुस्तकों का विशाल संग्रह है। इसका संदर्भ संग्रह अत्यंत उच्च कोटि का है। यह ग्रंथालय उत्तम संग्रह एवम् पाठक सेवा के लिए रेल जगत के बाहर भी ख्याति प्राप्त है। स्थानीय इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज तथा गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राध्यापक तथा शोध छात्र इस ग्रंथालय से समय-समय पर सूचना प्राप्त करते रहते हैं।

उद्देश्य

मुख्यतया यह एक विभागीय तकनीकी ग्रंथालय है। इसमें इंजानियरिंग, इलेक्ट्रीकल, संकेत एवम् दूर संचार, लेखा तथा प्रबंध आदि विषयों के पुस्तकों का विशाल संकलन है। जिससे विभाग से सम्बंधित अधिकारी एवम् कर्मचारी तकनीकी कार्यों के कुशल सम्पादन के लिए आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकें। ग्रंथालय का **मुख्य उद्देश्य-**

1. पाठक के संदर्भ समस्याओं का यथाशीघ्र निवारण करना।
2. ग्रंथालय को अत्याधुनिक तकनीकी के प्रयोग से एक मानक ग्रंथालय के रूप में परिणित करना।

प्रशासन एवं प्रबंध

इस ग्रंथालय के संचालन एवम् विकास का कार्य समय-समय पर महाप्रबंधक द्वारा नामित विभागाध्यक्ष के नियंत्रण में होता रहा है । वर्तमान में मुख्य कार्मिक अधिकारी इसके पदेन मुख्य ग्रंथालय अधिकारी हैं। मुख्य ग्रंथालय अधिकारी अपने सहायक के रूप में किसी सेलेक्शन ग्रेड अधिकारी को कार्यभारी अधिकारी (पदेन) नियुक्त करता है। इस ग्रंथालय का प्रबंधन निम्न प्रकार है-

मुख्य ग्रंथालय अधिकारी (पदेन)

↓

कार्यभारी अधिकारी (पदेन)

↓

सहायक पुस्तकालय एवम् सूचना अधिकारी

↓

कर्मचारी संवर्ग

ग्रंथालय कर्मचारी:

ग्रंथालय की विभिन्न सेवाओं जैसे पुस्तक चयन/क्रय, वर्गीकरण एवम् प्रसूचीकरण, प्रलेखन, संदर्भ सेवा, पुस्तक आदान-प्रदान, पुस्तकों का व्यवस्थापन, पत्र-पत्रिका तथा पाठक सेवा (सदस्यता पंजीकरण/नवीनीकरण, पाठक के जिज्ञासा का निवारण) एवम् ग्रंथालय के विभिन्न कार्यों के निस्पादन के लिए ग्रंथालय में तकनीकी एवम् गैर तकनीकी पदों के संदर्ग का गठन विभिन्न विभागों द्वारा ग्रंथालय के पक्ष में पदों के अभ्यर्पण से किया गया है।

संग्रह:

वर्तमान में इस ग्रंथालय में लगभग 80,000 पुस्तकों का वृहद संकलन है । तकनीकी पुस्तकों के अलावा रेल कर्मचारियों के ज्ञानवर्द्धन के लिए अन्य विषयों जैसे साहित्य, धर्म एवम् दर्शन शास्त्र, यात्रा साहित्य, इतिहास तथा विज्ञान आदि विषयों का भी उत्तम संकलन किया गया है । सरकारी काम में प्रयोग की जा रही हिन्दी एवम् अंग्रेजी भाषा की पुस्तकों के अतिरिक्त शैक्षणिक पुस्तकें भी ग्रंथालय में मंगाई जाती हैं जिससे रेल कर्मचारियों के बच्चे लाभान्वित हो सके।

व्यवस्थापन

यह अकेला केन्द्रीय सरकार का ग्रंथालय है जिसमें पुस्तकों को विषयानुसार व्यवस्थित करने के लिए भारतीय ग्रंथालय विज्ञानी डॉ. एस. आर. रंगनाथन द्वारा प्रतिपादित वैज्ञानिक विधि "द्विबिन्दुवर्गीकरण" की पद्धति अपनायी गयी है। निधानी पर पुस्तकों का व्यवस्थापन विषय के वर्गों के अंतर्गत ग्रंथांक के अनुसार किया जाता है। "द्विबिन्दु वर्गीकरण" की पद्धति में वर्गीकरण के मुख्य वर्ग निम्न प्रकार हैं

अंग्रेजी पुस्तकें		हिन्दी पुस्तकें	
विषय	मुख्य वर्ग	विषय	मुख्य वर्ग
Library Science	2	ग्रंथालय विज्ञान	2
Journalism	4	पत्रकारिता	4
Science	A	विज्ञान	इ
Mathematics	B	गणित शास्त्र	ए
Physics	C	भौतिक शास्त्र	कि
Engineering	D	अभियांत्रिकी	कु
Chemistry	E	रसायन शास्त्र	के
Technology	F	प्रौद्योगिकी	कै
Biology	G	जीव विज्ञान	च
Geology	H	भू-शास्त्र	चि
Mining	HZ	खनन	चु
Botany	I	वनस्पति शास्त्र	ट
Agriculture	J	कृषि विज्ञान	टि
Zoology	K	जन्तु विज्ञान	टे
Animal Husbandry	KZ	पशुपालन शास्त्र	टै
Medicine	L	चिकित्सा शास्त्र	त
Pharmacology	LZ	औषधि विज्ञान	ति
Useful Arts	M	उपयोगी कला	तु
Mysticism	△	रहस्यवाद	नः
Fine Art	N	ललित कला	ने
Literature	O	साहित्य	पि
Linguistics	P	भाषा विज्ञान	पु
Religion	Q	धर्म शास्त्र	म
Philosophy	R	दर्शन शास्त्र	मि
Psychology	S	मनोविज्ञान	मु
Education	T	शिक्षा शास्त्र	रि
Geography	U	भूगोल	रू
History	V	इतिहास	ल
Political Science	W	राजनीति शास्त्र	लि
Economics	X	अर्थशास्त्र	ले
Sociology	Y	समाज शास्त्र	वि
Social Work	YZ	समाज कार्य	वु
Law	Z	न्याय शास्त्र	वे

सदस्यता एवं सेवाएँ

रेलवे कर्मचारियों को सदस्यता न्यूनतम शुल्क रू 50.00 में चार पाठक-टिकट जो निर्धारित दो वर्ष के लिए वैध होते हैं, दिए जाते हैं। प्रत्येक पाठक-टिकट पर एक पुस्तक जारी की जाती है।

सेवाएँ

1. **पुस्तक आदान-प्रदान:**इस ग्रंथालय में पाठकों को त्वरित सेवा प्रदान करने के उद्देश्य से ग्रंथालय विज्ञान की ब्राउनी आदान-प्रदान पद्धति अपनायी गयी है। इसमें पाठकों को पुस्तकें लेने में रजिस्टर पर हस्ताक्षर करने की आवश्यकता नहीं पड़ती है। इन्हें पाठक-टिकट के बदले में पुस्तकें निर्गमित कर दी जाती है, जिससे पाठकों का बहुमूल्य समय बच जाता है।
2. **प्रलेखन:**इस सेवा के अंन्तर्गत ग्रंथालय में मँगायप जाने वाली नई पुस्तकों की अद्यतन जानकारी के लिए हिन्दी तथा अंग्रेजी में वर्गीकृत (विषयानुसार) सूची तैयार कर पाठकों के अवलोकन के लिए ग्रंथालय में रखी जाती है।
3. **संदर्भ सेवा:**इस सेवा के अंतर्गत पाठको द्वारा समय-समय पर माँगी जाने वाली सूचनाओं को संदर्भ ग्रंथों जैसे विश्वकोष, एटलस, हैण्डबुक आदि से खोज कर प्रदान की जाती है। पाठकों को प्रसूची पत्रक देखने तथा निधानी पर पुस्तकों को खोजने में भी सहायता प्रदान की जाती है।
4. **नवीन पुस्तकों का प्रदर्शन:**ग्रंथालय में क्रय की गयी नवीन पुस्तकों में से चुनी हुई पुस्तकों तथा उनके आवरण (Cover) को ग्रंथालय में उचित स्थान पर पाठकों की जानकारी के लिए प्रदर्शित किया जाता है।
5. **पुस्तकालय विस्तार सेवा:**इस सेवा के अंतर्गत रेल पर हो रहे तकनीकी कार्य जैसे ट्रैक नवीनीकरण, ब्रिजों का निर्माण, नवीन प्रबंधन एवं तकनीकी से संबंधित चलचित्र प्रदर्शित कर तकनीकी कर्मचारियों एवम् अधिकारियों को तकनीकी क्षेत्र में हो रहे नवीनतम प्रयोगों से अवगत कराने की योजना है। पाठकों में पठन-पाठन की रुची पैदा करने के उद्देश्य से समय-समय पर पुस्तक प्रदर्शनी आदि के आयोजन का प्रस्ताव है।

ग्रंथालय समय:

खुलने का समय	सुबह 9.30 बजे
बंद होने का समय	सायं 6.00 बजे
पुस्तक आदान-प्रदान का समय	1.00 बजे से 3.00 बजे तक तथा 4.00 बजे से 6.00 बजे तक

"शनिवार, रविवार तथा अवकाश के दिन ग्रंथालय बंद रहता है।"

पाठकों से अनुरोध:

1. कृपया पुस्तकों एवं पत्र-पत्रिकाओं के पृष्ठों को न फाड़े न ही उन्हें गंदा करें।
2. पुस्तकें निश्चित समय पर लौटाएं जिससे अन्य पाठक लाभ उठा सकें।
3. ग्रंथालय में शान्ति बनाये रखें।

"आपके सहयोग से हम आपके लिए बेहतर सेवा उपलब्ध कराने हेतु कृतसंकल्प हैं।"